LOK SABHA

Thursday, December 4, 1980/Agrahayana 13, 1902 (SAKA)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Re-Organisation of Railway Board

+

*246. SHRI SATYANARAYAN JATIYA :

SHRI B. V. DESAI :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have decided to re-organise the Railway Board to make it more effective;

(b) if so, what are the changes likely to be made;

(c) how many posts of the members of the Railway Board are still vacant;

(d) whether Railway Board has not been fulfilling the task for which it was set-up; and

(e) if so, the main reasons for the same?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) One.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

श्री सत्यनारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो रेलवे बोर्ड का गठन हुआ है, क्या वह अपने कर्तव्य को पूरा कर रहा है ? इसी संदर्भ में मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि अभी बड़ौदा, इटारसी की रेल दुर्घटनाएं और फतियाबाद व गौतम पुरा के बीच जो डकैतियां हुई हैं, क्या इन सारी घटनाओं का रेलवे बोर्ड के निरीक्षण से संबंध नहीं है ? इस आधार पर मैं कह सकता हूं कि रेलवे बोर्ड काम नहीं कर रहा है ।

श्री मल्लिकार्जुन : अध्यक्ष जी, यह बात गलत है कि रेलवे बोर्ड अपने कर्तव्य का पालन सम्पूर्ण तरीके से नहीं कर रहा है और इटारसी की घटनाओं का इस प्रश्न से कोई संबंध नहीं है ।

श्री सत्यनारायण जटिया: एक तरफ रेलवे मिनिस्टर यह कह रहे हैं कि रेलवे बोर्ड और रेलवे मिनिस्ट्री काम कर रही है, लेकिन दूसरी तरफ एक्टसीडेंट्स हो रहे हैं, दुर्घटनायें, डकैतियां और लूट हो रही हैं, मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या रेलवे बोर्ड और रेलवे मिनिस्टर का यह कर्तव्य नहीं है कि वे इन सारी घटनाओं को संज्ञान हो कर देखें कि आगे इस प्रकार की दुर्घटनायें न हों ?

रेल मंत्री (श्री केदार पांडे) : रेलवे बोर्ड का गठन हुआ है, इसका मतलब यह है कि जो लोग पहले थे, वे हट गए हैं और नए लोग आए हैं, लेकिन स्ट्रक्चर चेंज नहीं हुआ है, परन्तु आदमी बदल गए हैं । दूसरी बात यह है कि बोर्ड का काम पहले से चुस्त हो रहा है । मैं आपको इस प्रोग्रेस के बारे में बताता हूं । पिछले साल नवम्बर और अक्तूबर के महीने में लोडिंग 950 वैगन्स प्रति दिन होता था, लेकिन इस साल 1980 में नवम्बर के महीने में 700–800 वैगन्स प्रतिदिन अधिक लोडिंग हो रहा है, क्योंकि इसी से अरनिंग होता है ।

[श्री केदार पांडे]

अगर यह इम्प्रूव कर जाए तो रेलवे की इकानोमी अच्छी हो जाएगी । जो रेलवे बोर्ड बना है, उसने काम शुरू किया है और कुछ नए कामों को लिया गया है। जैसे "ग्रोन-यूअर-ग्रोन" एक स्कीम को चलाया गया है । इसके मायने यह हैं कि पंचुयेलिटी के मामले में जहां-जहां गड़बड़ियां हैं वहां एक अफसर और एक इन्सपैक्टर यात्रा पर चल जाते हैं और देखते हैं कि जहां-जहां पर गड़बड़ियां हैं उनको दूर करने की कोशिश करते हैं ।

जहां तक ट्रेन्ज के लेट होने का सवाल है अभी दो-तीन पहले जो गुड्स ट्रेन के कुछ डिब्बों का डिरेलमेंट हो गया था उस के कारण कलकत्ता और तिनसुखिया से आने वाली गाड़ियां 10, 5 या 7 घंटे लेट हुई ।

श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं अभी आप ने हाल ही में रेलवे बोर्ड में परिवर्तन किया है, इस का गठन नये सिरे से किया है—इस को कितने दिन हो गये हैं ?

आज रेलों में प्रति दिन जो दुर्घटनायें हो रही हैं रोज डकैतियां और चोरियां हो रही हैं—इन को रोकने के लिये आप के नवगठित बोर्ड ने कौन से कदम उठाये हैं ? अभी आप ने बताया कि आप के अफसर और इंस्पैक्टर रेल में सफर करते हैं—क्या उन के सफर करने से इस तरह की घटनायें दूर हो जाती हैं ? क्या आप ने इन के कारणों की जांच की है और यदि की है तो उन को दूर करने के लिये कौन से कदम उठाये हैं ?

अध्यक्ष महोदय : अभी तो वे नये आये हैं काम शुरू ही किया है ।

श्री केदार पांडे : मैंने तारीख 14 को इस मंत्रालय का चार्ज लिया है । उस के बाद हम ने कुछ रिफार्म्ज लाने की कोशिश की है कुछ रेडिकल चेन्जेज किये हैं तथा कुछ साइकालोजिकल चेन्ज भी हुआ है । उन के अन्दर कुछ एन्थयूजिअज्म आया है । मैं अपने रेल कर्मचारियों में पूरा विश्वास करता हूं कि वे ठीक तरह से काम करेंगे और वे कर भी रहे हैं ।

श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी : मैंने मंत्री जी से पूछा था कि आप ने जो पुनर्गठन किया है वह कब हुआ है ?

अध्यक्ष महोदय : पिछले दिनों ही हुआ है ।

श्री केदार पांडे : ता० 14 को किया है ।

श्री रामावतार शास्त्री : रेलवे बोर्ड में परिवर्तन करने से स्थिति में सुधार हो रहा है ऐसा मंत्री जी का दावा है । लेकिन स्वयं इन्होंने कहा है . . .

अध्यक्ष महोदय : आप कन्टैस्ट करते हैं ?

श्री रामावतार शास्त्री : जी हां कन्टैस्ट करता हूं । अभी उन्होंने स्वयं कहा है कि 30 नवम्बर और पहली दिसम्बर को गाड़ियां बहुत लेट आई साढ़े चौदह घंटे तक विलम्ब से आई । यह केवल उसी दिन की बात नहीं है । समय पर आने में कोई सुधार नहीं है । मैं जानना चाहता हूं कि जिस दिन यानी ता० 30 नवम्बर को डिरलमेंट हुआ 3 या 4 बोगियां गिरीं उस के दूसरे दिन 1 या 2 बजे तक ठीक हुआ इतने विलम्ब का कारण क्या है क्यों इतना वलम्ब हुआ ? 3 या 4 बोगियों को ठीक करने में इतना समय क्यों लगा ?

श्री केदार पांडे : मैंने पहले ही कहा है—गुड्स ट्रेन के डिरलमेंट की वजह से यह स्थिति पैदा हो गई थी जिस की वजह से ट्रेनें लेट हुई । उस के बाद से ऐसी बात नहीं है ।

SHRI CHANDRAJIT YADAV: I do not have anything to say about the present Railway Board. The Chairman and members have just been appointed. Therefore, I have nothing to say about that. But this is a fact that many times in this House and outside also, the Railway Board's functioning has been seriously criticised.

It is like a white elephant on the administration. Now I would like to draw the attention of the hon. Minister to this aspect. The Railway Convention Committee (1977) in its 4th Report submitted to the Parliament had said that since the Railway Board is too centralised a body, it cannot function efficiently from the Centre. Therefore, they recommended: delegation of power to the General Managers, organisation of the Zonal railways and the Railway Board officers. They further said that they should introduce modern techniques, simplification of the procedure and other things because the real benefits do not reach the consumers; these benefits are yet to be realised. In view of these recommendations, I would like to ask the Minister whether he is taking any effective steps not only to change and ilfi up some vacancies but also reorganise the functioning of the entire Railway Board.

SHRI KEDAR PANDAY : It is a fact that the Railway Board Act was of 1905 and this Board was constituted according to that act and this was done in slavish India. No doubt about it. We have got the Indian Railways Act of 1890; that Act also was passed in slavish India. We are thinking, as a whole, to overhaul all those Acts; we wish to decentralise the administration.

श्री मूल चन्द डागा : अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान की सब से बड़ी पब्लिक अन्डरटेकिंग रेलवे है और वह बराबर घाटे में जा रही है । जो प्रश्न पूछा गया है, वह यह है :

> "Whether government have decided to reorganise the Railway Board to make it more effective"

The answer is : "No".

यह आप का आन्सर है । यहां आप क्या उत्तर दे रहे हैं और आप का लिखित उत्तर क्या है । जो उत्तर आप ने दिया है उस को आप पढ़िये । आज सारा हिन्दुस्तान कह रहा है कि उसे रेलवे के कारण असंतोष है और जनता में आक्रोश है । पब्लिक अंडरटेकिंग्स कमेटी ने भी इस के बारे में अपनी फाईंडिंग्स दी हैं आप को इस के बारे में क्या कहना है ।

श्री केदार पांडे : उस का क्लेरीफिकेशन हमने किया है । यह पूछा गया था कि क्या हम स्ट्रक्चर चेन्ज कर रहे हैं ? इसलिए हम ने कहा 'नो' लेकिन परसोनेल को चेन्ज कर दिया गया है ।

MR. SPEAKER : Next question. Shri Tariq Anwar– Absent. Next question, Shri Nelalohithadasan—absent.

श्री सत्यनारायण जटिया : दूसरा सप्लीमेंटरी पूछने का मौका हमें नहीं मिला ।

MR. SPEAKER : Please sit down; you have missed the bus. Next question Shri G S Reddy—absent. Shrimati Geeta Mukherjee.

श्री सत्यनारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय, दूसरा सप्लीमेंटरी हमें पूछने दीजिए । मेरे साथ न्याय कीजिए ।

MR. SPEAKER : I have gone too far.

श्री सत्यनारायण जटिया : मुझे दूसरा पूरक प्रश्न पूछना है ।

MR. SPEAKER : No, please sit down. I have gone to the third question.

Scheme prepared by the Indian Council of Medical Research for Medical care of people

[*249. SHRIMATI GEETA MUKHERJI :
SHRI G. S. REDDY :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the Indian Council of Medical Research has prepared a scheme for medical care of the people by the year 2000;

(b) if so, details thereof;

(c) whether Government have accepted the scheme ; and

(d) if so, when it will be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE : (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): (a) A Study Group was set up jointly by the Indian Council of Medical Research and the Indian Council of Social Science Research (I.C.S.S.R.). This Group has presented its Report entitled "Health for All : An Alternative Strategy".